SC

[127/A27] SEAT No._____ No. of Printed Pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY

B.A. (Semester 5) Examination 2018-2019

Paper no UA05CHLT11 –

प्राचीन एंव मध्यकालीन हिन्दी काव्य

Date:- 23/10/2018, Tuesday Time:- 02:00pm to 05:00pm कुल: ७०

प्र १. सप्रसंग व्याख्या कीजिए! (किन्हीं तीन) (१५)

क) जाति न पूछो साध की, पूछ लीजिए ज्ञान।
मोल करो तलवार का पडा रहने दो म्यान॥
हस्ती चढिए ज्ञान कौ , सहज दुलीचा डारि॥
स्वान - रुप संसार है, भुंकन दे झक मारी॥

ख) कबीर भाटी कलाल की, बहुतक बैठे आइ ।
सिर सौंपे सोई पिवै, नहीं तो पिया न जाइ॥
हरि-रस पीया जाणिये, जे कबहूं न जाइ खुमार।
मैमता घूमत रहे, नाहीं तन की सार॥
सवै रसायण मैं किया, हरि-सा और न कोइ।
तिल इक घट मैं संचरै , तो सब कंचन होइ॥

ग) कबहूं ससि माँगत आरि करैं , कबहूं प्रतिबिंब निहारि डरै।
कबहूं करताल बजाइ कै नाचत , मातु सबै मन मोद भरैं॥
कबहूं रिसिआइ कहैं हठि कै, पुनि लेत सोई जेहि लागि अरैं।
अवधेस के बालक चारि सदा तुलसी- मन- मन्दिर में बिहरैं॥

घ) राम हैं मातु पिता गुरु बन्धु औ संगी सखा सुत स्वामी सनेही।
राम की सौंह भरोसो है राम को,रामरंग्यो रुचि राच्यो न केहि॥
जीयत राम, मुये पुनि राम, सदा रघुनाथहि की गति जेही।
सोइ जियै जग में 'तुलसी', नतु डोलत और मुये धरि देही॥

च) पंचवटी बर पर्नकुटी तर बैठे हैं राम सुभाय सुहाए।
सोहै प्रिया,प्रिय बंधु लसै, तुलसी सब अंग घने छबि छाए॥
देखि मृगा मृगनैनी कहे प्रिय बैन, ते प्रीतम के मन भाए।
हेमकुरंग के संग सरासन सायक लै रघुनायक धाए ॥

प्र२). कबीरदास जी की मानवतावादी विचारधारा को स्पष्ट कीजिए। (२०)

अथवा

प्र२). टिप्पणी लिखिए :-

(क) कबीर की दार्शनिकता।

(ख) कबीर की भक्तिसाधना।

प्र३). कवितावली के कथानक को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए। (२०)

अथवा

प्र३). टिप्पणी लिखिए :-

(क) कवितावली का काव्य स्वरुप।

(ख) कवितावली का सुन्दरकाण्ड।

प्र४) अ) टिप्पणी लिखिए :- (८)

(क) कवितावली की काव्यगत विशेषताएं।

(ख) कबीर का काव्य सौंन्दर्य।

आ) निम्नलिखित अतिलघुतरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- (७)

१) कबीर के काव्य संग्रह का नाम बताइए?

२) तुलसीदास किसकी मधुर भर्त्सना से रामभक्ति की ओर मुडें?

३) तुलसीदास जी की कीर्ति का सर्वोच्च ग्रन्थ कौन सा है?

४) कबीरदास जी की भाषा को किस नाम से जाना जाता है?

५) कबीरदास जी की पत्नी का क्या नाम था?

६) तुलसीदास जी के सबसे बृहत्काण्ड का नाम बताइए?

७) तुलसीदास जी ने अपनी रचनाओं को किस भाषा में लिखा है?

—X—